27/1/2022/ B.A III भूगोल

Date __/__/__

प्र०→ भूकम्प एव सुनामी →

उ०→ भूकम्प –

भूकम्प अत्यन्त विनाशकारी आपदाओं मेसे एक है। पृथ्वी की सतह से कुछ किलो मीटर तक गहराई मे स्थित चतो मे उपस्थित दरारे अंशो कमजोर सतहो पर परस्पर टकराव गति हलचल घर्षण आदि मे उत्पन्न एव प्रसारित कम्पन जो उत्पति केन्द्र के चारो ओर तरफ प्रसारित होकर सतह पर स्थित वस्तुओ आदि को हिला डुला कर असन्तुलित कर देती है। को भूकम्प की संज्ञा दी जाती है। कुछ ऐसी भी सुक्ष्म तरंगे होती है। जिनमे मनुष्य अनुभव नही कर पाता किन्तु संवेदनशील प्राणी जैसे → कुते बिल्ली चमगादड़ पक्षी आदि द्वारा महसूस कर लिया है। आधुनिक भूकम्पीय यंत्र (रिक्टर-स्केल) द्वारा ऐसी तरंगे भी रिकार्ड की जा सकती है।

सुनामी

सुनामी सागरो मे अत्यन्त उच्च ऊर्जावाली लहरे होती है। जिनकी उत्पति सागरतली मे रिक्टर मापक पर 7.0 से अधिक परिणाम वाले अन्त: सागरीय भूकम्पो द्वारा या अन्त: सागरीय ज्वालामुखी के विस्फोटक उदगार के कारण या अन्त: सागरीय वृहदाकार भूस्खलन के द्वारा आदि कारणो से होती है। जपानी शब्द सुनामी का अर्थ है।

Page No.

Date __/__/____

पतन लहर सुनामी को भूकम्पीय सागरीय लहर भी कहते हैं। सुनामी अपने उत्पाति केन्द्रों से तेज गति से चारों ओर अग्रसर होती है परन्तु उसकी ऊँचाई कम होती है। जब यह सागरीय तटों के पास छिछले सागर से होकर गुजरती है तो विनाशकारी रूप धारण कर लेते हैं गति कम होती है।

परन्तु ऊँचाई बढ़ जाती है जिसके कारण तटीय क्षेत्रों में ये तबाही मचाने लगती है। वास्तव में सुनामी की उत्पति के चार कारक उत्तरदायी हैं।

① अन्त:सागरीय शक्तिशाली भूकम्पीय घटनाएँ
② अभिसारी विनाशी प्लेटों का टकराव
③ अन्त:सागरीय वृहदाकार भूस्खलन
④ विस्फोटक अन्त:सागरीय ज्वालामुखी उदगार

प्रभाव → सुनामी से मानव जीवन समाज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। मानव जीवन को क्षति सम्पति की क्षति पशुओं फसलों- मछलियाँ पर्यटन परिवहन तन्त्र संचार तंत्र आदि क्षति पुलिनो की क्षति छोटे छोटे द्वीपों का अवसयियों में बदलाव तटीय भूमि पर रेत का प्रभाव सागरीय परिस्थितिकीय संसाधनों का विनाश आदि प्रमुख है।

प्रबन्धक
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
...न एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया